



डा० सुधीर कुमार शुक्ल
परियोजना समन्वयक (गन्ना)
Dr S.K. Shukla
Project Coordinator (Sugarcane)

अखिल भारतीय समन्वित गन्ना अनुसंधान परियोजना
All India Coordinated Research Project on Sugarcane
भा.कृ.अनु.प.-भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान
ICAR-Indian Institute of Sugarcane Research
पो० दिलकुशा, रायबरेली रोड, लखनऊ-226 002 (उ०प्र०)
Raebareli Road, Post Dilkusha, Lucknow-226 002 (U.P.)

संदेश



चेतन जगत में मानव मस्तिष्क को सर्वाधिक विकसित माना गया है। मनुष्य ही समाज की सबसे छोटी इकाई है। इससे स्पष्ट है कि मनुष्य के मानवीय मूल्यों का समाज के उत्थान में प्रमुख स्थान है। दूसरे शब्दों में समाज की उत्तरोत्तर विकास यात्रा में मानवीय मूल्य ही जीवंत भूमिका में दिशा निर्धारित करते हैं। केंद्रीय सतर्कता आयोग की पहल के अंतर्गत मनाए जा रहे सतर्कता जागरूकता सप्ताह के पीछे मुख्य विचार यह दर्शाता है कि भारत जैसे विशाल देश में हम जन भागीदारी के बिना ईमानदारी को प्रोत्साहन और भ्रष्टाचार से लड़ाई नहीं लड़ सकते हैं। इसलिए भारत सरकार द्वारा “भ्रष्टाचार मिटाओ - नया भारत बनाओ” की वर्तमान अवधारणा सर्वथा प्रासंगिक है तथा देश के प्रत्येक जागरूक नागरिक का यह नैतिक कर्तव्य है कि वह व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक जीवन में स्वयं ईमानदारी व कर्तव्यनिष्ठा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करे और समाज को जागरूक बनाने में भी अपना योगदान दे। यद्यपि सार्वजनिक क्षेत्र के विभिन्न कार्यालयों एवं सेवाओं में ईमानदारी एवं निष्पक्षता लाने के लिए सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएँ कार्यान्वित की गई हैं जिनमें ई-गवर्नेन्स, आरटीआई आदि प्रमुख हैं।

भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टी. एन. शेषन ने सर्वप्रथम यह सुझाव दिया था कि केंद्रीय सतर्कता आयोग को वर्ष में एक सप्ताह को ‘सतर्कता जागरूकता सप्ताह’ के तौर पर मनाना चाहिए। इससे सभी सरकारी संगठनों में ईमानदारी को बढ़ावा देने और भ्रष्टाचार से लड़ाई लड़ने में मदद मिलेगी। आज वह उत्कृष्ट ट्रैक रिकॉर्ड के तौर पर स्थापित हो गया है और हम बीते दो दशकों के इतिहास पर गौर करते हैं तो हम पाएंगे कि आज का युवा ईमानदारी और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में तुरंत प्रतिक्रिया देता है, जो सुशासन की अनिवार्य शर्त भी है। मेरा मानना है कि इस मुहिम को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु शिक्षण संस्थानों में भी विभिन्न पहलुओं जैसे देश को भ्रष्टाचार मुक्त करने में आईटी का योगदान, रन फॉर यूनिटी, स्लोगन लेखन, अखंडता और सत्यनिष्ठा की शपथ आदि गतिविधियां आयोजित करने के लिए प्रोत्साहन देना चाहिए।

उपरोक्त परिप्रेक्ष्य में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के मार्गदर्शन के अनुरूप संस्थान स्तर पर भी 29 अक्टूबर से 4 नवम्बर, 2018 तक “सतर्कता जागरूकता सप्ताह” के अंतर्गत आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों जैसे सत्यनिष्ठ प्रतिज्ञा, वाद-विवाद प्रतियोगिता, निबंध लेखन, संभाषण आदि में संस्थान के समस्त वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सक्रिय रूप से योगदान के लिए आग्रह करता हूँ एवं आशा करता हूँ कि लोक जीवन में आदर्श मूल्यों को स्थापित करने में यह सहायक सिद्ध होगा।

(सुधीर कुमार शुक्ल)